वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 229 | बुधवार 14 दिसम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना के तहत 7वीं ट्रेन हुई रवाना

तिरुपति के दर्शन कर सकेंगे 1 हजार से ज्यादा वरिष्ठजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रदेश की लोकप्रिय वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के अन्तर्गत 7वीं ट्रेन मंगलवार को जयपुर से तिरुपति के लिए रवाना हुई। एक हजार से ज्यादा यात्री इस ट्रेन के जरिए निःशुल्क तिरुपति तीर्थस्थल का भ्रमण करेंगे। देवस्थान मंत्री शकुंतला रावत ने सभी तीर्थ यात्रियों की सुखद यात्रा के लिए मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि देवस्थान विभाग द्वारा बुजुर्ग यात्रियों की आरामदायक यात्रा के लिए सभी इंतजाम किए गए हैं। पूर्व में गई 6 ट्रेनों से आए यात्रियों से भी फीडबैक लेकर भी व्यवस्थाओं को बेहतर किया जा रहा है। रावत ने बताया कि 7वीं ट्रेन में 745 यात्री जयपुर से रवाना हुए, जबकि 75 सवाईमाधोपुर से और 260 यात्री कोटा से सवार हुए। उन्होंने बताया कि ट्रेन में ट्रेन प्रभारी, अनुरक्षक और डॉक्टर की टीम हर समय उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि यात्रा में लॉटरी की मुख्य सूची में चयनित यात्रियों को ही आमंत्रित किया गया था। उनमें से अनुपस्थित रहने वाले यात्रियों के स्थान पर वेटिंग वाले यात्रियों को मौका दिया गया। रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की बजट घोषणाओं में से एक वरिष्ठ तीर्थजन यात्रा योजना-2022 के तहत प्रदेश के 20 हजार वरिष्ठ नागरिकों को देवस्थलों का भ्रमण करवाया जा रहा है, इनमें से 18 हजार यात्रियों को ट्रेन से और 2000 यात्रियों को हवाई जहाज से यात्रा करवाई जा रही है। देवस्थान मंत्री ने कहा कि पिछली छह ट्रेनों में लगभग 5890 वरिष्ठ नागरिक यात्रा कर चुके हैं। बात पिछले 9 वर्षों से संचालित योजना की करें तो अब तक लगभग 98 हजार लोगों को राज्य सरकार निशुल्क यात्रा करवा चुकी है। उन्होंने कहा कि समाज के ऐसे लोग जो ट्रेन या हवाई जहाज से तीर्थस्थलों की यात्रा करने में सक्षम नहीं हैं, उनके लिए राज्य सरकार यह अनूठी योजना लाई है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने बजट घोषणा में इस योजना के लिए 13 करोड़ से बजट बढ़ाकर 30 करोड़ और यात्रियों की संख्या को भी 10 हजार से बढ़ाकर 20 हजार किया गया है। तीर्थयात्रा में 14 धार्मिक स्थलों रामेश्वरम-मदुरई, जगन्नाथपुरी, तिरूपति, द्वारकापुरी-सोमनाथ, वैष्णोदेवी-अमृतसर, प्रयागराज-वाराणसी, मथुरा-वृंदावन, सम्मेदशिखर-पावापुरी, उज्जैन-ओंकारेश्वर, गंगासागर कोलकाता, कामाख्या गुवाहाटी, हरिद्वार-ऋषिकेश, बिहार शरीफ एवं वेलनकानी चर्च तमिलनाडु को शामिल किया गया है। ट्रेन की रवानगी के अवसर पर राज्य स्तरीय वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा समिति के सदस्य श्री वीरेन्द्र पूनिया, श्री प्रताप सिंह राजपुरोहित सदस्य एवं देवस्थान विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

यूनिसेफ के सहयोग से प्रदेश में हुआ अभूतपूर्व कामः मुख्य सचिव

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्य सचिव उषा शर्मा ने कहा कि प्रदेश में यूनिसेफ के सहयोग से संचालित विभिन्न योजनाओं में अभूतपूर्व काम और प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि आगामी वर्षों में भी यूनिसेफ के सहयोग से विभिन्न विभागों द्वारा संचालित इन योजनाओं में बेहतरीन कार्य किया जाएगा। मुख्य सचिव मंगलवार को यहां शासन सचिवालय में राजस्थान सरकार एवं यूनिसेफ के पार्टनरशिप प्रोग्राम की वार्षिक समीक्षा-2022 के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। बैठक में यूनिसेफ के सहयोग से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में संचालित कार्यक्रम, पोषण कार्यक्रम, वॉश कार्यक्रम, शिक्षा संबंधी कार्यक्रम, बाल संरक्षण कार्यक्रम, सामाजिक नीति कार्यक्रम, बाल अधिकार कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2018- 22 तक की प्रगति तथा आगामी वर्षों के लक्ष्यों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। शर्मा ने कहा कि यूनिसेफ के सहयोग से प्रदेश में टीकाकरण अभियान में बाड़मेर जिले ने 92 प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति की है। यूनिसेफ द्वारा सिरोही, डूंगरपुर, उदयपुर और बाड़मेर जिलों में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रमों के माध्यम से पूर्व प्राथमिक शिक्षा में विशेष कार्य किए गए। उन्होंने कहा कि यूनिसेफ द्वारा पूरे प्रदेश में क्षमता संवर्धन एवं ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाए जा रहे हैं, जो सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि बाल मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर में कमी, पालनहार योजना, एनीमिया को दूर करने, पोक्सो संबंधी केसेस, बाल संरक्षण जैसे सभी क्षेत्रों में प्रदेश में यूनिसेफ के सहयोग से उल्लेखनीय प्रगति अर्जित की है। उन्होंने कहा कि आगामी वर्षों में भी यूनिसेफ द्वारा इसी प्रकार का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को यूनिसेफ के सहयोग से आगामी वर्षों में संचालित किये जाने वाले कार्यक्रमों के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं शासन सचिवों ने यूनिसेफ के सहयोग से संचालित कार्यक्रमों की प्रगति एवं आगामी वर्षों की अपेक्षाओं के बारे में अपने विचार व्यक्त किए।

शीतलनाथ भगवान की जन्म कल्याणक भूमि भदलपुर

इटखोरी में आचार्य संघ का भव्य मंगल प्रवेश हुआ

इटखोरी. शाबाश इंडिया। आचार्य श्री 108 प्रमुख सागर जी महाराज ससंघ, बालाचार्य निपूण नंदी जी महाराज,मुनि हरसेन्द्र सागर जी महाराज एवं आर्यिका 105 श्री शुभमति माताजी ससंघ का मंगल प्रवेश 1008 शीतलनाथ भगवान के जन्म स्थली भद्दलपुर इटखोरी मे 13 दिसम्बर को प्रातः 9 बजे भव्य रूप से हुवा,यहाँ पहुँचने पर कमेटी के पदाधिकारी के साथ आस पास के शहर के भक्तों ने आगवानी की। दिन में गुरुदेब संघ का मंगल प्रवचन हुवा 14 दिसम्बर को समाजअपने जीवन में परम सौभाग्य के क्षण होगे जब एक साथ 20 पिच्छीयों के दर्शन, उनकी आहारचर्या, लघु सिद्धचक्र विधान, गुरदेव के प्रवचन आदि का लाभ लेकर अपने आप को धन्य कर सकते हैं। पूरे कार्यक्रम में विशेष रूप से कमेटी के कार्याध्यक्ष छितरमल पाटनी(हजारीबाग) महामंत्री सुरेश झांझरी कोडरमा के साथ पूरे इटखोरी, कोडरमा, हजारीबाग, रांची के समाज के पदाधिकारी ओर सदस्त उपस्थित थे।

संसद हमले में शहीद हुए सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। भाजपा मंडल नसीराबाद द्वारा 21 वर्ष पूर्व भारतीय संसद पर हुए आतंकवादी हमले में शहीद हुए भारतीय सैनिकों को मंगलवार को शहीद स्मारक पर एक कार्यक्रम में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष एडवोकेट महेश मेहरा के नेतृत्व में भाजपा मंडल के पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने फ्रामजी चौक स्थित शहीद स्मारक पर एकत्रित होकर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी इस अवसर पर मंडल महामंत्री दिनेश बोहरा, मंडल उपाध्यक्ष प्रकाश शर्मा,संजय मेहरा,अनिल वर्मा, नेमीचंद खींची, छावनी परिषद वैरीड बोर्ड के सदस्य सुशील कुमार गदिया, पूर्व पार्षद रोहिताश शर्मा,भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष इस्लामुद्दीन कुरेशी, नितिन शर्मा व सलीम मोजपुरिया सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुख्य न्यायाधिपति ने किया "इंटीग्रेटेड साफ्टवेयर सोल्युशन विद ई-प्रिजन" प्रोग्राम ई-लॉन्च

ऐसा करने वाला राज. उच्च न्यायालय देश का प्रथम उच्च न्यायालय बना

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान उच्च न्यायालय बेंच जयपुर के सभागार में मुख्य न्यायाधीश पंकज मित्थल ने मंगलवार को "**इंटीग्रेटेड सॉफ्टवेयर सोल्युशन विद ई-प्रिजन**" प्रोग्राम को ई-लॉन्च किया। इससे न्यायालय के प्रकरणों से जुड़े विचाराधीन बंदियों की सभी सूचना जेल प्रशासन के ई-प्रिजन सॉफ्टवेयर से प्राप्त की जा सकेगी। स्टियरिंग कमेटी के अध्यक्ष न्यायाधीश अरूण भंसाली के मार्गदर्शन में राजस्थान उच्च न्यायालय की तकनीकी टीम ने अल्प अवधि में ही उच्च न्यायालय एवं जिला न्यायपालिका के समस्त न्यायालयों के लिए इस प्रोग्राम का निर्माण किया गया है। ई-लॉचिंग कार्यक्रम में मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि ऐसा करने वाला राजस्थान उच्च न्यायालय पूरे देश का प्रथम उच्च न्यायालय बन गया है। उन्होंने बताया कि कोविड-19 महामारी के समय से ही कम्प्यूटराईजेशन, डिजीटलाईजेशन, ई-फाइलिंग, पेपरलेस कोर्ट व वर्चुअल सुनवाई के माध्यम से न्यायपालिका की कार्यप्रणाली में तकनीकी क्रांति आयी है। राजस्थान उच्च न्यायालय की तकनीकी टीम ने राज्य सरकार द्वारा राज्य की विभिन्न जेलों में निरूद्ध बंदियों के लिए बनाये गए ई-प्रिजन सॉफ्टवेयर प्रोग्राम को न्यायालय में चल रहे केस इन्फोरमेशन सिस्टम सॉफ्टवेयर से इंटीग्रेट करते हुए यह प्रोग्राम बनाया है। कार्यक्रम में न्यायाधीश ने राज्य के समस्त न्यायिक अधिकारियों को विचाराधीन बंदियों के रिमाण्ड व विचारण में उनकी उपस्थिति अधिक से अधिक विडियो कांफ्रेन्सिंग के माध्यम से करवाने और ऐसे प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण की भी अपील की है। कार्यक्रम में राजस्थान उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायाधीश संदीप मेहता ने जानकारी दी कि इस प्रोग्राम के माध्यम से किसी भी मुकदमे में यदि कोई अभियुक्त जेल में न्यायिक अभिरक्षा भुगत रहा है तो न्यायालय को उसकी समस्त जानकारी तुरन्त उपलब्ध हो जायेगी।

धर्म दयावमय, प्रेममय और अहिंसामय : आचार्य सुनील सागर

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया।

जयपुर। राष्ट्रसंत आचार्य सुनीलसागर ससंघ(60) पिच्छिका वैशालीनगर जैन मंदिर में विराजमान है। इस मौके पर मंगलवार को धर्मसभा में आचार्य ने विभिन्न विषयों पर प्रवचन दिए। प्रेम प्रकाश चोटिया, हेमा राम चौधरी, प्रवीण जैन बड़जात्या, जयकुमार जैन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज की आहार चर्या का सौभाग्य गजेन्द्र बड़जात्या, प्रवीण बड़जात्या, विकास बड़जात्या, प्रिया बड़जात्या एवं समस्त बड़जात्या परिवार वैशाली नगर वालों को प्राप्त हुआआचार्य ने कहा कि दर्द सबके बहुत हैं और हौसले सबके अलग। सिर्फ चुनाव में हार गए या परीक्षा में असफल, व्यापार में नुकसान हुआ तो वह बहुत बड़ी बात नहीं है। मन के हारे हार है मन के जीते जीत। सहज शांत रहिए, प्रत्येक आत्मा परमात्मा बन सकता है। महापुरुषों के कहे रास्ते पर चलने का पुरुषार्थ करें। सत्संगति से सत्कर्म का आश्रय मिलता है। धर्म दयामय, प्रेममय, अहिंसामय है। विश्व एक परिवार है, वसुधैव कुटुंबकम की भावना रखे। गुलाब के पास रहने से सुगंध आती है और साधु की संगति से जीवन महकता है।

गर्भ में भ्रूण हत्या करने व स्त्री-बच्चों पर हाथ उठाने वाले का नष्ट हो जाता तेज व तप: रामप्रसाद महाराज

मन को ठीक रखने के लिए सत्संग व भगवत कथा श्रवण जरूरी। महेश वाटिका में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। शरीर को ठीक रखने के लिए भोजन एवं मन को ठीक रखने के लिए सत्संग व भगवान की कथा श्रवण जरूरी है। घर में भजन, हनुमान चालीसा का पाठ या किसी भी रूप में भगवान के नाम का उच्चारण भी सत्संग है। भजन करने पर भगवान में मन लगता है। सच्चे भक्त की यहीं पहचान होती है कि जो भगवान को अच्छा लगे उसे स्वीकार कर ले। ये विचार अन्तरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के परम पूज्य संत रामप्रसादजी महाराज (बड़ौदा) ने मंगलवार दोपहर भीलवाड़ा के महेश वाटिका में सोनी परिवार के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान गंगा महोत्सव के दूसरे दिन श्रद्धालुओं को कथा श्रवण कराते हुए व्यक्त किए। संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन कपिलदेव एवं ध्रुव चरित्र प्रसंग का वाचन किया गया। संत रामप्रसादजी महाराज ने कहा

कि हर व्यक्ति के जीवन के अंदर एक मंत्र एवं एक ग्रंथ होना चाहिए। गुरू ने जो मंत्र दिया उसे बदलना नहीं है बल्कि उसमें आस्था रखनी है। जिस भी धर्म में अपनी निष्ठा रखे उसे अपने जीवन का मंत्र बना ले। मंत्र व ग्रंथ की तरह हर व्यक्ति के जीवन में एक संत भी होना चाहिए। जब भी किसी समस्या से घिर जाओ संत की शरण में जाने पर समाधान मिलेगा। उन्होंने कहा कि गर्भ में भ्रूण हत्या करने वाले, स्त्री व बच्चों को मारने वाले का सारा तेज व तप नष्ट हो जाता है। जिस घर में भ्रूण हत्या हो जाती उस घर का पानी भी पीने से मना किया गया है। भगवान की कथाएं सुनी होगी तो अंत समय में भगवत चिंतन हो जाएगा। संतश्री ने कहा कि भगवान की पहचान करके हम भी परीक्षित बन सकते है। हमे दूसरों से पहले स्वयं की चिंता करनी चाहिए। बुढ़ापे में व्यक्ति को दूसरों की चिंता अधिक हो जाती है। चिंता की नहीं चिंतन की जरूरत है। हमेशा भगवान श्रीहरि का चिंतन करते रहना चाहिए। कथा में हरिशेवाधाम के महामंडेलश्वर हंसारामजी महाराज आदि संतों का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। दूसरे दिन की कथा के अंत में पूज्य संत रामप्रसादजी महाराज के सानिध्य में व्यास पीठ की आरती करने वालों में सोनी परिवार के रमेशचन्द्र, अशोक एवं दिनेश सोनी के साथ उनके परिजन भी शामिल थे। व्यास पीठ की आरती करने वालों में संयोजक शिव नुवाल, अनिल न्याति, अमित काबरा, दीपक समदानी आदि शामिल थे। संचालन जगदीशप्रसाद कोगटा ने किया। कथा में हरिशेवाधाम के महामंडेलश्वर हंसारामजी महाराज ने व्यास पीठ को प्रणाम करने के साथ कथावाचक रामप्रसादजी महाराज का भी अभिनंदन किया। हंसारामजी महाराज का आयोजक परिवार के दिनेश सोनी आदि ने स्वागत-सत्कार किया। धर्मसंदेश प्रदान करते हुए हंसारामजी महाराज ने कहा कि ज्ञान के प्रसंग महापुरूषों के मुख से निकलने पर महाप्रसाद बन जाते है। उन्होंने श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ महोत्सव आयोजक सोनी परिवार की सराहना करते हुए कहा कि सेवा का संकल्प लेना अनुकरणीय है।

वेद ज्ञान

जीवन में सुख और संपत्ति

मनुष्य द्वारा उसके श्रम अथवा उसके बुद्धि-चातुर्य से अर्जित धन की उसके ही जीवनकाल में तीन गतियां होती हैं। धन की एक गति होती है दान देने की, दूसरी गति होती है इसके उपभोग कर लेने की और तीसरी गति होती है इसके विनष्ट हो जाने की। अभिप्राय यह है कि किसी भी व्यक्ति ने यदि अपने द्वारा अर्जित किए गए धन का यथोचित दान कर दिया, तो उस व्यक्ति ने अपने द्वारा अर्जित धन का सही इस्तेमाल कर लिया। इसी तरह यदि किसी ने अपने धन का भली प्रकार से उपभोग कर लिया, तो समझें कि उसने अपने धन का कुछ न कुछ सार्थक उपयोग कर लिया। किंतु यदि कोई इन दोनों प्रकार से धन का उपयोग करने में चूक गया, तो फिर उसके धन की तीसरी गति होना अवश्यंभावी है और वह गति है धन का पूरी तरह से विनष्ट होना। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाजशास्त्रियों द्वारा यह जो सिद्धांत दिया गया है, इसके पीछे संकेत है कि कोई भी व्यक्ति यहां अपने-आप में पूर्ण नहीं है। इसलिए इस संसार के किसी भी पदार्थ पर उसका अकेले अधिकार भी नहीं है। चाहे यह उसके द्वारा स्वयं अर्जित किया ही क्यों न हो। इसीलिए महर्षि व्यास ने श्रीमद्भगवद में स्पष्ट रूप से कहा है कि जो अपनी संपत्ति से इस लोक में अथवा परलोक में कल्याण की कामना करता है, उसे चाहिए कि वह अपनी संपत्ति को पांच भागों में बांटकर ही उसका उपभोग करे। वे उन पांच भागों का कथन करते हुए बताते हैं कि अपनी संपत्ति का एक भाग धर्म कार्य के लिए होना चाहिए, जिसमें देवपूजन, अतिथि सेवा, निराश्रितों को किया जानेवाला सहयोग सम्मिलित है। महर्षि व्यास के अनुसार संपत्ति का दूसरा भाग अथोर्पार्जन के लिए सुरक्षित होना चाहिए। इस भाग को व्यक्ति को उस प्रकार के व्यापार आदि में व्यय करना चाहिए, जिससे उसकी जीविका चले और परिवार का निर्वाह ठीक से हो। महर्षि के अनुसार अपने धन का तीसरा हिस्सा उसके लिए हो, जिसके जरिये हम अपने मन की इच्छाओं को पूरा कर सकें। धन के चतुर्थ भाग का उपयोग व्यक्ति अपने जीवन में यश की प्राप्ति के लिए करे। मनुष्य की एक सहज-स्वाभाविक वृत्ति होती है, जिसमें वह चाहता है कि उसे अपने जीवन में यश की प्राप्ति हो।

संपादकीय

नजी विधेयकों पर कानून बनने के उदाहरण बहुत कम

समान नागरिक संहिता लागू करने को लेकर एक बार फिर चर्चा शुरू हो गई है। संसद में इससे संबंधित एक निजी विधेयक पेश किया गया, जिसका विपक्षी दलों ने विरोध किया, मगर मत विभाजन के जरिए उस पर चर्चा की मंजूरी मिल गई। हालांकि निजी विधेयकों पर कानून बनने के उदाहरण बहुत कम हैं, मगर इसे लेकर उम्मीद जताई जा रही है कि यह कानून की शक्ल ले सकता है। इसलिए कि समान नागरिक संहिता लागू करना खुद सरकार की वचनबद्धताओं में एक है। इसे लेकर पहले भी पहल हो चुकी है, मगर कुछ तकनीकी अड़चनों के चलते सहमति नहीं बन सकी। फिर, अभी जो निजी विधेयक पेश किया गया उसे सत्तापक्ष के ही एक सांसद ने सदन के पटल पर रखा। उत्तराखंड, मध्यप्रदेश, गुजरात, कर्नाटक जैसे कुछ भाजपा शासित राज्य पहले ही इसे लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर चुके हैं। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने समान नागरिक संहिता लागू करने का वादा किया था।

यानी देश में इसे कानूनी रूप देने की जमीन पहले से तैयार है, उसमें इस विधेयक पर सदन में चर्चा का माहौल भी बन गया। इसलिए इसके सिरे चढ़ने की संभावना अधिक नजर आती है। दरअसल, समान नागरिक संहिता का मुद्दा भाजपा ने उठाया जरूर था, मगर इसकी जरूरत सर्वोच्च न्यायालय ने शाहबानो मामले की सुनवाई के वक्त ही रेखांकित कर दी थी। शाहबानो ने तलाक के बाद अपने बच्चों के भरण-पोषण को लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाया था। तब अदालत ने सरकार से समान आचार संहिता बनाने को कहा था। मगर इसमें तकनीकी अड़चन यह आ रही थी कि ऐसा कानून लागू करने से अल्पसंख्यक समुदाय की धार्मिक आस्था पर चोट पहुंच सकती है, जो कि असंवैधानिक कहा जा सकता है। असल में, मुसलिम समुदाय में शादी एक करार होती है, जिसे कोई भी एक पक्ष अपनी मर्जी से तोड़ने को स्वतंत्र है। बहुविवाह का चलन भी वहां स्वीकृत है। इस तरह विवाहिता पत्नी और उससे पैदा हुए बच्चों के भरण-पोषण, संपत्ति आदि का हक बाधित होता है। इसलिए खुद मुसलिम समाज की बहुत सारी महिलाएं समान आचार संहिता लागू करने की मांग करती रही हैं। फिर इसके पक्ष में तर्क यह भी दिया जाता है कि जब संविधान में धर्म और जाति से परे समान अधिकार की बात कही गई है, तो विवाह आदि के मामले में धार्मिक आस्था को क्यों महत्त्व दिया जाना चाहिए। तरक्की पसंद मुसलमान भी इस कानून के पक्ष में रहे हैं, मगर उनका कहना है कि इसे लागू करने से पहले तमाम संवेदनशील पहलुओं पर बारीकी से विचार कर लिया जाना चाहिए। जब केंद्र सरकार ने तीन तलाक को खत्म करने का फैसला किया, तब बड़ी तादाद में मुसलिम महिलाओं ने अपनी खुशी का खुला इजहार किया था। इस तरह समान नागरिक संहिता को लेकर भी इस समुदाय की तरफ से किसी व्यापक विरोध की आशंका नजर नहीं आती। दरअसल, यह मामला धर्म से अधिक महिलाओं के हक से जुड़ा हुआ है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

सत्ता और चुनौतियां

हिमाचल प्रदेश में आखिरकार मुख्यमंत्री पद को लेकर मचा घमासान थम गया और सुखविंदर सिंह सुक्खू को इसकी जिम्मेदारी सौंप दी गई। वहां चुनाव नतीजे आने के तुरंत बाद जिस तरह से मुख्यमंत्री पद के लिए जोर आजमाइश शुरू हो गई थी, उससे लगा था कि पार्टी में दरार आ सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह के समर्थक उन्हें मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे थे। धमकियां भी दी जाने लगी थीं कि अगर उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया, तो उनके समर्थक विधायक पार्टी छोड़ने का फैसला कर सकते हैं। मगर इसमें कई तकनीकी, व्यावहारिक और रणनीतिक दिक्कतें थीं। पहली बात तो यह कि वे विधायक नहीं हैं, मंडी लोकसभा सीट से सांसद हैं। उन्हें मुख्यमंत्री बनाने का मतलब था कि एक संसदीय सीट और एक विधानसभा सीट पर उपचुनाव कराने पड़ते। फिर सरकार चलाने के लिए केवल विरासत काम नहीं आती, उसके लिए नेतृत्व का गुण और सबको साथ लेकर चलने का कौशल भी होना चाहिए। दूसरी दावेदारी वहां के वरिष्ठ नेता मुकेश अग्निहोत्री की भी चल रही थी। मगर पार्टी आलाकमान ने बहुत सलीके से इस पेचीदगी को सुलझाया और सुखविंदर सिंह सुक्खू को मुख्यमंत्री और मुकेश अग्निहोत्री को उपमुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंप कर संतुलन साधने का प्रयास किया। एक स्वस्थ लोकतंत्र में राजनीतिक नेतृत्व की दावेदारी अच्छी बात है। मगर आजकल जिस तरह भारतीय राजनीति का मिजाज बदलता गया है, उसमें इस तरह राजनेताओं की जोर आजमाइश को पार्टी में अनुशासन की कमी माना जाने लगा है। इसका फायदा प्रतिद्वंद्वी पार्टियां उठाती देखी जाती हैं। इसलिए हिमाचल में मुख्यमंत्री पद को लेकर चले संघर्ष से स्वाभाविक ही पार्टी में टूट और बिखराव की आशंकाएं पैदा हुईं। हालांकि वहां लोकतंत्र के लिए एक अच्छी मिसाल यह भी देखी गई कि विधायकों ने खुद हिमाचल से बाहर जाकर नहीं, बल्कि वहीं रह कर मामले को निपटाने पर जोर दिया और केंद्रीय नेतृत्व पर भरोसा जताया। शपथ ग्रहण के बाद दोनों नेताओं ने साथ मिल कर हिमाचल की बेहतरी के लिए काम करने का संकल्प दोहराया। हालांकि वहां के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री में राजनीतिक तालमेल का अभाव और वर्चस्व की लड़ाई कभी देखी नहीं गई, जिसके आधार पर आने वाले दिनों में किसी तरह की आशंका जताई जा सके। उपमुख्यमंत्री पद वीरभद्र सिंह के करीबी रहे मुकेश अग्निहोत्री को देकर एक तरह प्रतिभा सिंह को भी संतुष्ट किया गया है। मगर राजनीति में चुनौतियां कभी खत्म नहीं होतीं। हिमाचल की नई सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी उन वादों को पूरा करना, जो चुनावी घोषणापत्र में कांग्रेस ने किए थे। पुरानी पेंशन योजना लागू करना, फल उत्पादकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना, उनकी उपज की वाजिब कीमत दिलाना और नई नौकरियां देना बड़ी चुनौती हैं। जिन राज्यों का मिजाज बारी-बारी से सरकार बदलने का होता है, वहां सरकारों के सामने बेहतर प्रदर्शन की चुनौतियां हमेशा बनी रहती हैं। ऐसे में चुनाव के वक्त कांग्रेस ने जो वादे किए हैं, उन्हें पूरा नहीं किया गया, तो विरोध के स्वर फूटने शुरू हो जाएंगे। पुरानी पेंशन योजना लागू करने का वादा पूरा करने के लिए सबसे पहले सरकार को आवश्यक धन की व्यवस्था करनी होगी।

श्री पार्श्वनाथ जन्म कल्याणक पर नाकोड़ा तीर्थ में होगा त्रिदिवसीय महोत्सव का आयोजन

ऐतिहासिक होगा नाकोड़ा में पौष दशमी का मेला : रमेश मुथा

नाकोड़ा (मेवानगर). शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ जन्म कल्याणक के शुभ अवसर पर नाकोड़ा तीर्थ पर त्रिदिवसीय महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है, पावन निश्रा : योगनिष्ठ महान जैनाचार्य श्रीमद् बुद्धि सागर सूरीश्वर जी महाराज समुदाय के सागर गच्छ गौरव तपागच्छाधिपति जैनाचार्य श्री मनोहर कीर्ति सागर सूरीश्वर जी महाराज के शिष्य रत्न आजीवन गुरु चरणोपासक प्रभावक प्रवचनकार आचार्य श्री उदयकीर्ति सागर सूरीश्वर जी के शिष्य गुरु कृपाप्राप्त मुनिवर्य विश्वोदय कीर्ति सागर जी महाराज साहेब एवं पावन उपस्थितिः मेवाड़ केशरी नाकोड़ा तीर्थोद्धारक आचार्य श्री हिमाचल सूरीश्वर म.सा पट्टधर शिष्य शासन प्रभावक आचार्य श्री रवि शेखर सूरीश्वर जी महाराज की आज्ञानुवर्ती श्री कल्पलता श्री जी म.सा की शिष्य श्री तिलक प्रभा श्रीजी म.सा एवं चंद्रकला श्रीजी म.सा आदि ठाणा 2, श्री पुण्योदया श्रीजी म.सा की शिष्या साध्वी श्री चेलना श्रीजी म.सा, साध्वी चन्नवाला श्रीजी म.सा आदि ठाणा 2, खरतरगच्छाधिपति आचार्य जिनमणि प्रभ सूरीश्वर जी म.सा की आज्ञानुवर्ती साध्वी श्री महेंद्र प्रभा जी, श्री भव्य पूर्ण श्रीजी, कल्पपूर्णा श्रीजी, श्री जागृतपुर्णाश्रीजी, श्री सुलोचना श्रीजी की सुशिष्या गुरुवर्या श्री सुलक्षणा श्रीजी म.सा

एवं प्रियश्रद्धांजना श्रीजी म.सा आदि ठाणा, मेवाड़ केशरी नाकोड़ा तीर्थोद्धारक आचार्य श्री हिमाचल सूरीश्वर म.सा के समुदाय वर्ती साध्वी गरिमा श्रीजी की सुशिष्या दिव्यप्रभा श्रीजी म.सा, साध्वी सुयशा श्रीजी, साध्वी भाविकयशा श्रीजी आदि ठाणा, गच्छाधिपति आचार्य देवेश राजयश सूरीश्वर महाराज के आज्ञानुवर्ती प्रवर्तिनी गुरवर्या वांचयमा श्रीजी, साध्वी जिनेशपद्मा श्रीजी, साध्वी हर्षितयशा श्रीजी आदि ठाणा की उपस्थिति में श्री पार्श्वनाथ जन्म कल्याणक महोत्सव का आयोजन होगा । सम्पूर्ण मेले का लाभ स्व. सुमंगला बाई हुक्मीचंद की दिव्य आशीष से संघवी मंछालाल, ताराचंद, हुकमीचंद ताराचंद , संजय, अमित, हर्षित, महावीर, विवेक, कौशल, कनिष्क, युक्त, दिव्यम, बेटा पोता शाह ताराचंद गोदा बावलेचा चौहान परिवार, कैलाश नगर चेन्नई वालो के लिया। **मेले पर कार्यक्रम की रूप रेखा:** पौष वद 8, शुक्रवार 16 दिसंबर को तेले करने वालो का धारणा (उतरपारणा) पौष वद 9, शनिवार 17 दिसंबर को श्री नाकोड़ा पार्श्व - भैरव महापूजन दोपहर विजय मुहूर्त में एवं सांय कालीन भक्ति संध्या सिंगर दिलीप बाफना एवं खुशबू कुमट द्वारा पौष वद दशम रविवार 18 दिसंबर को मेला व तेला के कार्यक्रम, श्री पार्श्वनाथ के जन्म कल्याणक का शानदार वरघोड़ा, पूजा, आंगी, भावना, भक्ति संध्या सिंगर वैभव बाघमार, अनिल सालेचा, नीता नायक द्वारा पौष वद 11 सोमवार 19 दिसंबर 2022 श्री पार्श्व पद्मावती महापूजन एवं भक्ति संध्या सिंगर गौरव मालू, जागृति वडेरा, रोजल डोशी द्वारा पौष वद 12 मंगलवार 20 दिसंबर को तेला का पारणा, तपस्वियों का बहुमान एवं बिदाई कार्यक्रम।

पौष दशम का मेला एक बार फिर रचेगा इतिहास : रमेश मुथा

श्री नाकोड़ा पार्श्वनाथ तीर्थ के अध्यक्ष रमेश मुथा के ने बताया की पौष दशमी मेले को लेकर नाकोड़ा ट्रस्ट तैयारियों में जुटा हुआ है, एक बार फिर से ये मेला नया इतिहास लिखेगा, मेले को लेकर विशेष तैयारिया की जा रही है, पूरा तीर्थ परिसर जगमग लाइट से चमकेगा, मेले पर तेले की तपस्या एवं कई धार्मिक आयोजन के साथ अलग अलग दिन प्रसिद्ध संगीतकारों के साथ भक्ति संध्या का आयोजन होगा, इस मेले पर देश भर से भक्त मेले के पहुंच कर मेले की शोभा बढ़ाएंगे ।

अपने अपने कर्मों के अनुसार मनुष्य पर्यायों को धारण करते हैं: मुनि श्रद्धानंदजी महाराज

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। आचार्य वसुनंदीजी महाराज के परम प्रभाव शिष्य मुनि श्रद्धानंदजी महाराज एवं मुनि पवित्रा नंदीजी महाराज सुधा सागर स्कूल से विहार कर दिगंबर जैन मंदिर बिलीया होते हुए बापू नगर स्थित पदमप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में मंगल प्रवेश हुआ । जहां महिलाएं सिर पर मंगल कलश लिए अगवानी की एवं प्रवेश द्वार पर श्रावको द्वारा मुनि ससंघ का पाद प्रक्षालन किया। इस अवसर पर मुनि श्रद्धानंदीजी महाराज ने धर्म देशना में कहा कि देश-देश से और दिशाओं- दिशाओं से पक्षी आकर रात्रि में वृक्ष पर विश्राम करते हैं और प्रातः काल होने पर अलग-अलग दिशाओं में गमन कर जाते हैं । उसी प्रकार अपने अपने कर्मों के अनुसार मनुष्य पर्यायों को धारण करते हैं । और अपने- अपने कर्मों के अनुसार जन्म धारण कर लेते हैं । मुनिश्री ने कहा कि हमको संसार से छुटकारा पाने के लिए जन्म धारण करना ही समाप्त हो जाए। ऐसा प्रयास करना चाहिए। इस दौरान श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर चंद्रशेखर आजाद नगर, श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर न्यू हाउसिंग बोर्ड शास्त्री नगर, एवं कोटडी दिगंबर जैन समाज ने मुनि ससंघ को श्रीफल अर्पित कर अपने यहां प्रवास हेतु निवेदन किया। ट्रस्ट मंत्री पूनमचंद सेठी ने बताया कि सायकाल 3:30 बजे श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर न्यू हाउसिंग बोर्ड शास्त्री नगर के लिए मुनि ससंघ का विहार हो गया। विहार में केशव नगर उदयपुर के धन कुमार जैन, कुंथु कुमार जैन, कैलाश चंद गंगवाल, पूनम चंद सेठी, राकेश जैन, राजेश पाटनी, राजकुमार बड़जात्या, संदीप बाकलीवाल सहित कई श्रावक- श्राविकाएं सम्मिलित थी।

डॉ. आस्था राजेन्द्र महावीर जैन ने वर्ल्ड आयुर्वेदा कांग्रेस में म.प्र.का प्रतिनिधित्व किया

प्रधानमंत्री सहित पचास देश के प्रतिनिधि हुए सम्मिलित

सनावद. शाबाश इंडिया

जैन जगत के प्रखर वक्ता, संपादक, लेखक, मोटिवेशनल स्पीकर राजेन्द्र महावीर-अनुपमा जैन की सुपुत्री डॉ.आस्था जैन ने विश्व स्तरीय वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस में म.प्र. की हेड वालेंटरी इन्चार्ज बनने का गौरव प्राप्त कर जैन समाज को गौरवान्वित किया है। भारत सरकार व गोवा सरकार के संयुक्त आयोजन नवीं वर्ल्ड आयुवेर्दा कांग्रेस व आरोग्य एक्सपो गोवा की राजधानी पणजी में 8 से 11 दिसंबर 22 तक आयोजित किया गया। प्रख्यात आयुर्वेदिक चिकित्सक व आयोजन सचिव डॉ प्रशांत तिवारी (भोपाल) के नेतृत्व में डॉ आस्था जैन के दो शोध आलेख' स्टेन्डर्ड आपरेटिव - आहार विधि विधान' व केस स्टडी ''**आमवात में बस्ति की भूमिका**'' का चयन विश्व स्तर की जनरल ई बुक के लिए हुआ ।उक्त आयोजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित 50 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया है।

केन्द्रीय मंत्रियों की आगवानी व सत्र संचालन भी किया डॉ आस्था जैन ने

डॉ आस्था जैन ने म.प्र. वॉलेन्टरी हेड इन्चार्ज के दायित्व का निर्वहन करते हुए भारत सरकार के केन्द्रीय आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, पर्यटन मंत्री श्रीपद नाईक , म.प्र. के उद्योग मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विशेष संपर्क अधिकारी जय कुमार, आरोग्य भारती के अशोक वार्ष्णेय, आयुष मंत्रालय के प्रमुख सचिव डा. राजेश कोटेजा,सुपर कम्प्यूटर परम जनक, नालंदा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति पद्मविभूषण विजय भटकर सहित अनेक विशिष्ट जनो की आगवानी के के दायित्व का निर्वहन भी किया, साथ ही सत्र संचालन में आयुर्वेद और ज्योतिष विषय पर संचालन करते हुये विशिष्ट जनों के बीच अपने विचार साझा किये। डॉ. आस्था जैन (सनावद) ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारतीय जीवन शैली व भारतीय संस्कृति के गौरव को विश्व पटल पर पुर्नस्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। एम्स की तर्ज पर अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थानों की स्थापना कर वे आयुर्वेद को बढ़ावा दे रहे हैं। प्रधानमंत्री की सोच से देश में आयुष उद्योग 1.60 लाख

करोड का हो गया है, उनकी सोच वन अर्थ वन हेल्थ के विजन से आयुर्वेद विश्व की सर्वोच्च चिकित्सा पद्धति के रूप में स्थापित होगा। उल्लेखनीय है कि डॉ आस्था जैन ने आयुर्वेद प्रवेश परीक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर 65 रेंक प्राप्त कर पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल में प्रवेश लिया था। आयुर्वेद बी ए एम एस स्नातक परीक्षा में प्रथम श्रेणी प्राप्त वे अभी इंटर्नशिप कर रही हैं छात्र जीवन की इस उपलब्धि पर अनेक स्नेही जनों ने उन्हें बधाई व उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुरेश रांका ने कहा कि डॉ. आस्था ने सनावद नगर को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है।

-डॉ सुनील जैन संचय, ललितपुर

जिंदगी में कोई दुश्मन बनाया तो सब धर्म समाप्त नष्ट हो जायेगा: मुनि श्री सुधासागर जी महाराज

बासी, ललितपुर. शाबाश इंडिया

निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव108 श्री सुधासागर महाराज ने प्रवचन मे कहा यदि जिंदगी में कोई दुश्मन बनाया तो सब धर्म समाप्त नष्ट हो जायेगा। उन्होंने कहा गुरु के आदेश को यदि आपने पराधीनता समझ लिया, मां बाप का टोकना बुरा लगने लगा, शिष्य को गुरु का टोकना बुरा लगने लगें तो समझ लेना कि तुम्हारे बुरे दिन आने वाले हैं। यह सोचना चाहिए अहो भाग्य है कि गुरु मुझे टोक रहें हैं बड़े की कभी पराधीनता मत मानना हे। उन्होंने कहा.दुश्मन को मित्र मानो- सकारात्मकता मिलेगी यदि हमने दुश्मन को दुश्मन नही मानकर मित्र माना तो वह मित्र होकर बुरा विचार करता है तो उसका बुरा होना निश्चित है ये दुश्मनी बुझाने का तरीका है। यदि हम सबको मित्र मानते हैं तो वह आपके प्रति कोई बुरा विचार करेगा तो उसका विनाश निश्चित होगा।पूज्य मुनि श्री ने दीक्षा व समाधी के विषय में कहा की दीक्षा व समाधि निरर्थक है। -यदि हमारा एक भी दुश्मन है तो। उन्होंने कहा हमे मंदिर आने के पहले दुश्मन को छोड देना

पडेगा, यदि तुम्हारा कोई दुश्मन है तो वह सब कुछ भस्म कर देगा। दुश्मन जिसकी जिंदगी मे हे उसकी दीक्षा व समाधी कभी नही हो पायेगी। उसकी पुजा करना निरर्थक हो जायेगी है। -दुश्मन यदि बुरा नही बोले तो वह दुश्मन नही जिस जिसको हमने दुश्मन माना वो हमे नकारात्मक उर्जा देता है। दुश्मन से हमें ऊर्जा प्राप्त नही हो सकती है। संसार में यदि कोई दुश्मन हो तो तुम्हारा सब कुछ नष्ट कर देगा। दुश्मन पुराण मे दुश्मन का बुरा होना चाहिये।

संकलन: अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमडी

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी ने कहा...

स्वयं पर आत्म विश्वास और परमात्मा पर अन्ध विश्वास

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया। हमें धर्म, अध्यात्म से जोड़ सकता है। जैसे - अर्जुन ने दस लाख की सेना का त्याग करके भगवान श्री कृष्ण को चुना। आत्म विश्वास और परमात्मा पर अन्ध विश्वास का इससे अच्छा उदाहरण दूसरा नहीं हो सकता। जब खुद के आत्म विश्वास पर और परमात्मा के अन्ध विश्वास पर मन अडिग होता है, तो मानना जैसे - रात को धूप निकल गई हो। जब जब हमारे आपके विचार शून्य होंगे, तब तब हम आप परमात्मा के निकट होंगे। इसलिए अपने विचारों को विवेक के छन्ने से छानिये, फिर देखो जीवन में कैसे परिवर्तन आता है। जब विचार विवेक के छन्ने से छनकर निकलेंगे तो शुद्ध, विशुद्ध और सर्व धर्म समभाव के सुखाय से ओतप्रोत ही होंगे। फिर व्यक्ति हिंसा नहीं कर सकता, झूठ नहीं बोल सकता, चोरी नहीं कर सकता, किसी भी माता बहिन पर बुरी नजर नहीं डाल सकता, और आवश्यकता अनुसार ही वस्तुओं का संग्रह करेगा। आत्म विश्वास, आत्म सुख से जुड़ा हुआ है। मनुष्य जीवन का सकारात्मक चिन्तन विवेक बुद्धि का ही सु-फल है। इस सकारात्मक चिन्तन से सामाजिक सन्तुलन बना रहता है। इसलिए जीवन में कुछ नियम, संयम, संकल्प बहुत जरूरी है। हम स्वयं अपने जीवन की लक्ष्मण रेखा को खीचें, लक्ष्मण रेखा की मर्यादा का पालन करें। अन्यथा दुराचार रूपी रावण हमारी सुख शान्ति का हरण करके कभी भी ले जा सकता है। फिर मत कहना - अब पछताये होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत। **नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

घटयात्रा, ध्वजारोहण के साथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक महोत्सव शुरू

मुनि श्री सुप्रभ सागर का 42वाँ जन्म दिवस मनाया गया

की गई मंडप शुद्धि, हुयी गर्भ कल्याणक की क्रियाएं। गर्भ से ही शिशु को अच्छे संस्कार दिए जाना चाहिए : मुनि श्री सुप्रभ सागर

ललितपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज, मुनि श्री प्रणातसागर जी महाराज, मुनि श्री सौम्य सागर जी महाराज के सानिध्य में मड़ावरा विकासखंड में स्थित अतिशय क्षेत्र कारीटोरन में मुनिसंघ के सानिध्य में मंगलवार को पंचकल्याणक महोत्सव का शुभारंभ हो गया। सुबह से ही पात्र शुद्धि, अभिषेक, शांतिधारा, नित्यमह पूजन व गर्भ कल्याणक पूजन किया गया। देवाज्ञा, गुरु आज्ञा, तीर्थमण्डल पूजा के बाद घटयात्रा हुई। घटयात्रा में महिलाएं पीले व केसरिया वस्त्रों में मस्तक पर कलश लेकर मंगलगान करती हुई चल रहीं थीं। मुनि श्री सुप्रभ सागर जी महाराज का 42 वाँ जन्म दिवस समारोह श्रद्धालुओं ने अगाध श्रद्धा पूर्वक मनाया। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने मुनिश्री का पाद प्रक्षालन, आरती, पूजा की तथा अनेक लोगों ने मुनिश्री का गुणानुवाद कर उन्हें तपस्वी और प्रभावक संत बताया। दोपहर में सीमंतनी क्रिया की गई जिसमें तीर्थंकर की माता की गोद भराई क्रिया पूर्ण की गई। जिसमें महिलाओं ने माता की गोद भराई कर धर्म लाभ लिया जिसे देखकर

श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। भगवान के माता -पिता बनने का सौभाग्य राकेश कुमार जैन, सुषमा जैन मड़ावरा को प्राप्त हुआ है। विधि विधान के साथ ध्वजारोहण किया। मंडप उदघाटन के बाद वेदी शुद्धि एवं मंडप शुद्धि के संस्कार घटयात्रा में सौभाग्यवती महिलाओं द्वारा लाए जल से मंत्रोच्चार के साथ की गई। विधि विधान पंडित महेश जैन, पंडित अखिलेश जैन, पंडित राकेश जैन ने कराया। सौधर्मेन्द्र सभा, नगरी रचना, अष्टदेवी द्वारा माता की सेवा, 16 स्वप्न दर्शन का मंचन व गर्भ कल्याणक की आंतरिक क्रियाएं की मंत्रोच्चार पूर्वक की गईं। मुनि श्री सुप्रभ सागर महाराज ने कहा कि पंच कल्याणक में गर्भ कल्याणक के साथ संस्कारों की चर्चा अत्यंत महत्वपूर्ण है। जीवन को समुन्नत करना ही संस्कारों का मुख्य उद्देश्य है। व्यक्ति के जीवन की संपूर्ण शुभ और अशुभवृत्ति उसके संस्कारों के अधीन है जिनमें से कुछ वह पूर्व भव से अपने साथ लाता है व कुछ इसी भव में संगति व शिक्षा आदि के प्रभाव से उत्पन्न करता है। इसीलिए गर्भ में आने के पूर्व से ही बालक में विशुद्ध संस्कार उत्पन्न करने के लिए विधान बताया गया है।

श्री दर्शन जी - विनिता जी जैन बाकलीवाल

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

की वैवाहिक वर्षगांठ (14 दिसंबर) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका, **परामर्शक:** दिनेश-संगीता गंगवाल

वरिष्ठ उपाध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, **सचिव:** अनिल - प्रेमा रांवका, **कोषाध्यक्ष:** अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

गुरुकुल के छात्रों को ऊनी जर्सियां वितरित की गई

साखना/टोंक. शाबाश इंडिया

श्री 1008 श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र साखना में सोमवार को प्रातः भगवान शांतिनाथ का अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा की गई । तत्पश्चात नित्य नियम पूजा भगवान शांतिनाथ की पूजा नव देवता पूजा महावीर स्वामी पूजा 24 तीर्थंकर पूजा कर शांतिनाथ भगवान को अर्ध्य एवं श्री फल समर्पित किए । पोष बुदी चतुर्थी के शुभ अवसर पर सोमवार को अतिशय क्षेत्र साखना में संचालित जैन गुरुकुल के छात्रों को गुप्त श्रावक श्रेष्टि की ओर से ऊनी जर्सियां वितरित की गई। मीडिया प्रभारी राजेश अरिहंत ने बताया कि उक्त गुरुकुल सन 2014 से संचालित किया जा रहा है। इसमें साखना ग्राम के जैन एवं अजैन सभी समुदाय के छात्र व्यावहारिक शिक्षा के साथ जैन शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं । गुप्त श्रावक श्रेष्ठी की ओर से प्राप्त जर्सियों को मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रकाश सोनी, रानी सोनी, लक्ष्मी जैन एवं गुरुकुल के प्राचार्य अंकित शास्त्री के द्वारा वितरित किया गया ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

सम्मेद शिखर बचाओ आंदोलन

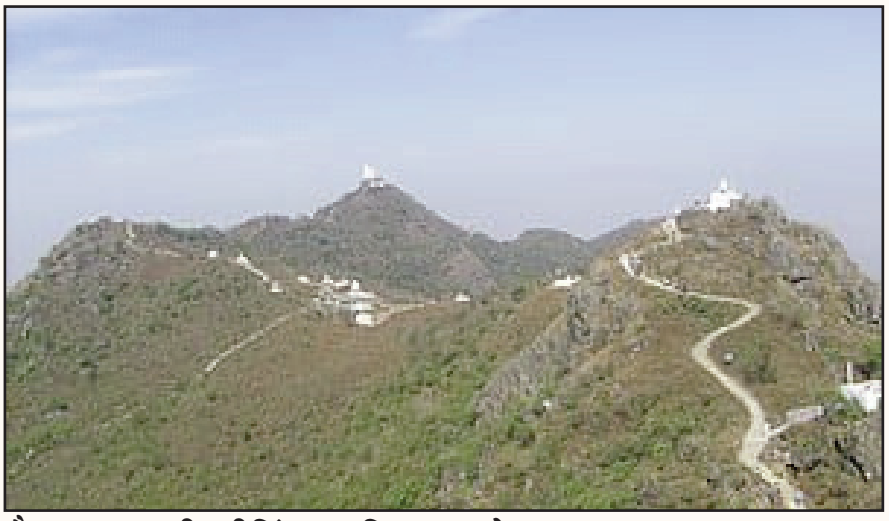

जैन समाज की मीटिंग 18 दिसम्बर को

जयपुर. शाबाश इंडिया। समग्र जैन समाज जयपुर की सभी प्रमुख संस्थाओं के पदाधिकारियों, विशिष्ट जनों की बड़जात्या सभागार भट्टारक जी की नसिया में रविवार दिनांक 18 दिसंबर 2022 को दोपहर 1:00 बजे से अति आवश्यक मीटिंग रखी गई है ।सुदीप बगड़ा अध्यक्ष, जयपुर जैन सभा समिति ने बताया कि मीटिंग मे सम्मेद शिखर जी की ज्वलंत समस्याओं के संदर्भ में विचार मंथन करके जयपुर समग्र जैन समाज की तरफ से विरोध प्रदर्शन रैली ज्ञापन आदि के बारे में उचित निर्णय लेकर आगे कार्रवाई की जाएगी। अतः सभी से निवेदन है कि कृपया समय पर पहुंचकर अपने अमूल्य सुझाव से अवगत कराएं ताकि आगे की रणनीति सब मिलकर तय कर सके।

कृषि मंत्री कटारिया ने की जैन बोर्ड के गठन की सिफारिश

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रदेश में जैन समुदाय जैन बोर्ड के गठन को लेकर उद्वेलित है। अनेक संस्थाओं एवं संगठनों ने राज्य में वक्फ बोर्ड की तर्ज पर जैन बोर्ड के गठन की मांग की है। प्रदेश के कृषि एवं पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया ने भी जैन समुदाय की संस्कृति, धार्मिक संपत्तियों (अतिशय क्षेत्र, सिद्ध क्षेत्र, तीर्थ क्षेत्र, मंदिर, नसियां) की सुरक्षा एवं संरक्षण, जैन आचार्य-संतो की सुरक्षा एवं चर्या का संरक्षण करने हेतु प्रदेश में जैन बोर्ड के गठन किए जाने की सिफारिश की है। युवा कांग्रेस नेता एवं वैशाली नगर से पार्षद प्रत्याशी मोहित जैन ने अवगत कराया कि मंत्री लालचंद कटारिया ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर जैन समाज के प्रति सकारात्मक रुख अपनाते हुए जैन बोर्ड का गठन किये जाने हेतु मुख्यमंत्री से आग्रह किया है।

स्वरकोकिला लता मंगेशकर को समर्पित 28 वें अखिल भारतीय ध्रुवपद समारोह

14-15 दिसम्बर में कला हस्तियाँ सम्मानित होंगी

जयपुर. शाबाश इंडिया। इंटरनेशनल ध्रुवपद धाम ट्रस्ट द्वारा उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की सहभागिता व जवाहर कला केंद्र के सहयोग से दिनांक 14-15 दिसम्बर को सायं 5 बजे जवाहर कला केंद्र के कृष्णायन में आयोजित 28 वे अखिल भारतीय नाद निनाद विरासत समारोह ह्याध्रुवपद धरोहर ह्य में कला क्षेत्र की हस्तियों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए नवाजा जाएगा। ध्रुवपद के क्षेत्र में पुणे के पं. उदय भवालकर , दिल्ली के पं बृजभूषण गोस्वामी , पखावज के लिए दिल्ली के पं. अनिल चौधरी , अभिनय के क्षेत्र में जयपुर के राजेंद्र शर्मा राजू , मीडिया व उद्घोषक के लिए जयपुर के प्रणय भारद्वाज को सम्मानित किया जाएगा। जयपुर के युवा पखावज वादक ऐश्वर्य आर्य को युवा प्रतिभा सम्मान से नवाजा जाएगा। ध्रुवपद समारोह का आगाज डॉ अनिल चौधरी के पखावज वादन से एवं उनके बाद पुणे के पं उदय भवालकर ध्रुवपद गायन पेश करेंगे। 15 दिसम्बर को पहली प्रस्तुति में जयपुर के पं. प्रवीण आर्य अपने शिष्य ऐश्वर्य आर्य के साथ पखावज वादन एवं उनके बाद दिल्ली के पं बृजभूषण गोस्वामी ध्रुवपद गायन प्रस्तुत करेंगे।